aglasem.com

FOR KARNATAKA CLASS 10 PREPARATION

Karnataka SSLC Model Question Paper 2027 for Hindi First Language (Paper 3) Key Answers

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
Karnataka Class 10	2027	Answer Key	Hindi

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಳಿ

6 ನೇ ಅಡ್ಡರಸ್ತೆ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು-560003

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD

6th Cross, Malleshwaram, Bengaluru - 560003

2026-27 ನೇ ಸಾಲಿನ ಎಸ್. ಎಸ್. ಎಲ್. ಸಿ. ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು - **03**

S.S.L.C. MODEL ANSWERS – 03 - 2026-27

ವಿಷಯ: ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ- ಹಿಂದಿ

Subject: First Language- HINDI

ಸಮಯ: **3** ಗಂಟೆ **15** ನಿಮಿಷಗಳು ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು: **100**

ವಿಷಯ ಸಂಕೇತ: **06H** **Subject Code : 06H**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य सूचनाएं:

1. **इस प्रश्नपत्र में कुल 45 प्रश्न हैं।**
2. **सभी प्रश्नों के लिए दिए गए निर्देशों का पालन करें।**
3. **प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके दाहिनी ओर हाशिये में दिए गए हैं।**
4. **प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अधिकतम समय इस पृष्ठ के ऊपर दिया गया है, जिसमें प्रश्न पत्र पढ़ने के 15 मिनट भी शामिल हैं।**

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	**6X6=6**
1	'घराने' शब्द का एकवचन रूप है – A) पुस्तकें (B) कोशिशें (C) घराना (D) टोकरियाँ **उत्तर : (C) घराना**	
2	'भिखारी' शब्द का अन्य लिंग रूप है – A) भिखारिन (B) ठाकुर (C) पंडिताइन (D) पांडित्य **उत्तर: (A) भिखारिन**	
3	'घटना' शब्द का विलोम रूप है A) अवनति (B) बढ़ना (C) कमी (D) घटाना **उत्तर : (B)बढ़ना**	
4	निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है – A) डरना (B) चलना (C) लिखवाना (D) जलाना **उत्तर : (D) जलाना**	
5	निम्नलिखित में से उपसर्गयुक्त शब्द है – A) सुंदरता (B) सामाजिक (C) अपठित (D) दयालु **उत्तर : (C) अपठित**	
6	निम्नलिखित में से 'आँख लगना' मुहावरे का अर्थ है – A) चौकन्ना होना (B) भाग जाना (C) नींद आना (D) सहायता करना **उत्तर : (C) नींद आना**	
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	**4X1=4**
7	महोदय : गुण संधि :: भवन : _____। **उत्तर : आयादि संधि**	
8	सप्ताह : द्विगु समास : बेईमान :_____। **उत्तर : अव्ययीभाव समास**	
9	गुरुदेव वहाँ बड़े आनंद में थे : भूतकाल :: कुछ और पहले की घटना याद आ रही है : _____। **उत्तर : वर्तमान काल**	
10	जो कविताएँ लिखती हैं : कवियत्री :: जो अभिनय करता है :: ____। **उत्तर : अभिनेता**	

III.	**एक एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	**7×1=7**
11	बात बात पर हँसना किसका स्वभाव है ? उत्तर : बात बात पर हँसना अंग्रेजों का स्वभाव है ।	
12	गांधीजी का पूरा नाम क्या था ? उत्तर : गांधीजी का पूरा नाम मोहनदास क्रमचंद गांधी था ।	
13	लाला झाऊलाल ने किसे अपनी विपदा सुनाई ? उत्तर : लाला झाऊलाल ने पंडित बिलवासी जी को अपनी विपदा सुनाई ।	
14	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन सा है ? उत्तर : कठिन परिश्रम ही जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग है ।	
15	आकाश की खूबी क्या है ? उत्तर : आकाश की असीमता ही उसकी खूबी है ।	
16	डॉ॰ इकबाल को किस नाम से जाना जाता है ? उत्तर : डॉ॰ इकबाल को अल्लामा नाम से जाना जाता है ।	
17	विद्यापति के गीत अधिकतर कहाँ गाए जाते हैं ? उत्तर : विद्यापति के गीत अधिकतर पूरब की बोलियों में गाए जाते हैं ।	
IV.	**दो या तीन वाक्यों में उत्तर ।**	**10X2=20**
18	किसके सपने में अनदेखे अरूप आया था ? उसने कवि से प्यार कैसे मांगा ? उत्तर : कवि सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के सपने में अनदेखे अरूप आया था । वे कवि से पूछने लगे ' तुम्हारे इस जीवन में तुम इतने धनी हो कि तुम्हारा जीवन स्नेह, गरमाई , उजाला , मिठास , हरियाली , प्रकाश , लोचन , उल्लास से पूर्ण है। क्या तुम मुझे थोड़ा सा प्यार उधार दे पाओगे ?	
19	तीसरे महाशय बाज़ार क्यों गए थे ? उत्तर : तीसरे महाशय, कबूतरबाजी का मैच देखने के लिए बाज़ार गए थे। उनके लिए राष्ट्रीय कार्य से ज्यादा जरूरी अपने जीवन में आनंद के क्षण खोजना था । इसीलिए वे वहाँ रुक गए ।	
20	महात्मा गांधीजी ने नेटाल, इंडियन कांग्रेस की स्थापना क्यों की ? उत्तर : दक्षिण अफ्रीका में अंग्रेजों द्वारा गांधीजी का कई बार अपमान हुआ । वे चाहते थे कि अंग्रेजों के अपमानपूर्ण व्यवहार का सामूहिक रूप से उत्तर दे सकें । इस उद्देश्य से गांधीजी ने नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना की ।	
21	ज्योतिषी और नेपोलियन के बीच हुए संवाद का परिचय दीजिए । उत्तर :	

	ज्योतिषी ने नेपोलियन के हाथ देखकर कहा, " तुम्हारे हाथ में तो भाग्य की रेखा ही नहीं है।" तब नेपोलियन ने उनसे पूछा कि " यह रेखा कहाँ होती है? " ज्योतिषी ने हाथ में भाग्य की रेखा का स्थान बतलाया। । नेपोलियन ने तुरंत उस स्थान पर चाकू से रेखा खींची और ज्योतिषी से कहा कि "लीजिए बन गई भाग्य की रेखा ।"	
22	हेलेन केलर के अनुसार उसे अपार आनंद की अनुभूति कैसे होती है ? उत्तर : हेलेन केलर के अनुसार उन्हें फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने से एवं उनकी घुमावदार, रंग बिरंगी बनावट महसूस करने में अपार आनंद मिलता है ।	
23	स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम क्या है ? उत्तर : स्काउट और गाइड के लिए कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक है। इन नियमों में प्रमुख हैं विश्वसनीयता, वफ़ादारी, मित्रता, अनुशासनप्रियता, साहस आदि ।	
24	लोकगीत गाने के सन्दर्भों के बारे में लिखिए । उत्तर : लोकगीतों को त्योहारों पर , नदियों में नहाते समय के , नहाने जाते हुए राह के, विवाह के, मटकोड़ , ज्यौनार के , संबंधियों के लिए प्रेमयुक्त गाली के , जन्म आदि सभी अवसरों के अलग-अलग गीत हैं , जो स्त्रियां गाती हैं ।	
25	पुराने रूसी साहित्य में लेखक नागेन्द्र भट्टाचार्य जी ने क्या पढ़ा था ? उत्तर : वहाँ पर भी जनता की दुर्दशा हमारे देश से कम न थी। इस सदी में रूस को दो महायुद्धों का सामना करना पड़ा, फिर भी उसने पिछली दुर्दशा और महायुद्धों से हुए विनाश को धो पोंछकर बिल्कुल साफ कर दिया है ।	
26	" मन चंगा तो कठौती में गंगा " इस कहावत का अर्थ समझाइए । उत्तर : ' मन चंगा, तो कठौती में गंगा' इसका अर्थ है कि परमात्मा सर्वव्यापी है।यदि मन शुद्ध और साफ है तो भगवान् के दर्शन कहीं भी हो सकता है । यदि मन पवित्र है, तो घर ही तीर्थ है ।	
27	" परबत वो सबसे ऊँचा , हमसाया आसमाँ का " इस पंक्ति का तात्पर्य क्या है ? उत्तर : यहाँ कवि हिमालय की असीम ऊँचाई और गौरव का वर्णन करते है। इसकी चोटियाँ बादलों को चीर कर आकाश को छूती प्रतीत होती है। जिससे ऐसा लगता है कि वह आसमान का पड़ोसी है । एक रक्षक और प्रहरी की छवि भी उभरती है ।	
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	**2X3=6**
28	पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र । उत्तर : (i) जन्मकाल - सन 1900 में उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के चुनार नामक कस्बे में हुआ । वैद्यनाथ पाण्डेय इनके पिता थे । अभिनय कला में कुशल थे । सच्चे पत्रकार थे । (ii) कृतियाँ - चंद हसीनों के खतूत , घंटा ,फागुन के दिन चार , उसकी मां, अपनी खबर आदि । (iii) सन 1967 ई० को इनका देहांत हुआ ।	

29	बालकृष्ण शर्मा ' नवीन' उत्तर : (i) जन्म : सन् 1897 ई॰ में ग्वालियर राज्य के भुजालपुर गांव में हुआ। नवीन जी कभी लेखक, वक्ता और देशभक्त भी थे। स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान परिषद के सदस्य भी बने थे । (ii) कृतियाँ : प्राणार्पण , उर्मिला , रश्मि रेखा , कुमकुम , क्वासी आदि । (iii) अन्य जानकारियाँ - सन् 1960 में आपका स्वर्गवास हो गया । 'नवीन' आपका काव्य नाम है ।	
VI.	**छंद पहचानिए ।**	1X3=3
30	निज दुख गिरिसम रज करि जाना । मित्रक दुख रज मेरु समाना ।। **उत्तर :** ।। ।। ।।।। ।। ।। SS निज दुख गिरिसम रज करि जाना । S।। ।। ।। S। ।SS मित्रक दुख रज मेरु समाना ।। (i) . यह चौपाई छंद है। (ii) यह सम मात्रिक छंद है । (iii) इसके प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएं होती हैं । (iv) चरणांत तुक मिलती हैं ।	
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	1X3=3
31	काली घटा का घमंड घटा । उत्तर : i) . यह यमक अलंकार है । (ii) यहाँ घटा शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है, लेकिन भिन्न भिन्न अर्थों में -काला बादल और कम होने के अर्थ में । (iii) यह शब्दालंकार का भेद है । (iv) जिस रचना में कोई एक शब्द दो बार प्रयोग होकर भिन्न भिन्न अर्थ निकले तो उसे यमक अलंकार कहते हैं ।	
VIII.	**सन्दर्भ सहित व्याख्या ।**	4X3=12
32.	' वह अलग बैठकर टूँगता रहता था । ' उत्तर : कविता का नाम : पिछड़ा आदमी कवि का नाम : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना संदर्भ वा व्याख्या : **'पिछड़ा आदमी'** समाज के उस सीधे-सादे, शांत और शोषित वर्ग का प्रतीक है जो जीवन की अंधी दौड़ और स्वार्थ से दूर रहता है, लेकिन व्यवस्था की क्रूरता	

	का शिकार सबसे पहले वही होता है। यहाँ जब सब पेटुओं की तरह खाते, तब पिछड़ा आदमी सबसे दूर अलग बैठा, आहिस्ता से थोड़ा सा खाता था । विशेषता : मौन, निस्वार्थ और सहज व्यक्ति को दुनिया पिछड़ा या कमज़ोर मानता है ।	
33	'मर अभागे, तुम मुझे और क्या क्या दिखाएगा ? ' उत्तर : पाठ का नाम : अपना - पराया लेखक का नाम : जैनेंद्र सन्दर्भ व व्याख्या : बच्चे के लगातार रोने की आवाज़ से सिपाही की नींद में खल्लल पड़ने लगी और जब सिपाही ने सरायवाले को इसके बारे में शिकायत की। तो माँ ने बच्चे को दो- तीन चपट लगाए और सिसकती हुई माँ बच्चे को संबोधित करके ऊपर का वाक्य कहती हैं। विशेषता : स्त्री की बदनसीबी का चित्रण ।	
34	'उसे देखा नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है । ' उत्तर : पाठ का नाम : सदाचार का तावीज़ लेखक का नाम : हरिशंकर परसाई सन्दर्भ व व्याख्या : दो महीनों की छानबीन के बाद विशेषज्ञ दरबार में हाजिर हुए उन्होंने महाराज और दरबारियों को भ्रष्टाचार के बारे में पूरी जानकारी दी। उनके अनुसार, भ्रष्टाचार हाथ की पकड़ में आने वाली चीज़ नहीं है, उसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। इसी संदर्भ में विशेषज्ञों ने यह बात कही । विशेषता : भ्रष्टाचार के स्वरूप का चित्रण किया गया है ।	
35	'अच्छा, साहब आश्रम के कौए क्या हो गए ? ' उत्तर : पाठ का नाम : एक कुत्ता और एक मैना लेखक का नाम: हजारी प्रसाद द्विवेदी। सन्दर्भ व व्याख्या : एक दिन गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और हजारी प्रसाद द्विवेदी जी बगीचे। में फूल पत्तों को ध्यान से देखते टहल रहे थे इसी संदर्भ में कौओं की अनुपस्थिति पर ऊपर का वाक्य रवींद्रजी ने कहा , कि आश्रम के कौवे कहाँ चले गए, क्योंकि अचानक उनकी आवाज़ सुनाई देना बंद हो गई थी। विशेषता: पशु पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता ।	
IX.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार- पाँच वाक्यों में लिखिए:**	**3X3=9**
36	अकबरी लोटा पाठ में लाला झाऊलाल के चरित्र पर प्रकाश डालिए । उत्तर : लाला झाऊलाल लेखक अन्नपूर्णानंद द्वारा रचित अखबरी लोटा गद्य का एक पात्र है। इनका घर टटेरी बाज़ार में था। उन्हें नीचे की दुकानों से मासिक का करीब 100 भाड़ा आता था। कच्चे बच्चे थे नहीं, सिर्फ पति पत्नी का खर्चा था। वे अपने पत्नी से डरते थे, लेकिन जब एक दिन उनकी पत्नी ने एकाएक 250 रुपयों की मांग की तो उन्होंने भी जोश में आकर कह दिया कि 7 दिन बाद मुझसे ले	

	लेना । अब जब अपने ही घर में अपनी साख की बात थी । उन्होंने ये परेशानी अपने मित्र पंडित बिलवासी मिश्र को बताया, उनके मित्र भी चालाक थे । जो उन्होंने अंग्रेज को मूर्ख बनाकर पैसों का इंतजाम कर लिया । झाऊलाल के इस तरह अपने घर में अपने नाक भी बचा ली और पत्नी को पैसे भी दे दिया ।	
37	मन्नुजी ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी भूमिका कैसे निभाई ? स्पष्ट कीजिए । उत्तर : मन्नु भंडारी का राजनीतिक योगदान मुख्यतः स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी और साहित्य के माध्यम से सामाजिक राजनैतिक मुद्दों को उजागर करने में रहा है। घर की चार दीवारी के बीच बैठकर देश की स्थितियों को जानने, समझने का जो सिलसिला मन्नू के पिताजी ने शुरू किया था, शीला जी, वहाँ से खींचकर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया। सन् 47-48 के दिन, स्थितियां वैसे भी घर में बैठे रहना संभव था बला ? प्रभात- फेरियां , हड़ताल, जुलूस , भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश खरोश के साथ इन सब से जुड़ना हर युवक का उन्माद था । मन्नू भी इसमें भाग लेने लगी । वह कॉलेज की लड़कियों को आज़ादी की जंग में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती थी । मैदान में नारे लगाती थी , जब आजाद हिंद फौज के मुकदमे का सिलसिला चला , सभी कॉलेज , स्कूलों, दुकानों के लिए हड़ताल का आह्वान आया , तो उन्होंने भी इसमें भाग लिया । लोगों को चौपट में इकट्ठा कर भाषण देती थी । इस प्रकार मन्नु जी ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई ।	
38	भगवान् के निवास स्थान के बारे में कबीरदास जी ने क्या कहा है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । उत्तर : इसका तात्पर्य यह है कि ईश्वर बाहर कहीं नहीं, बल्कि मनुष्य के अपने भीतर ही निवास करते हैं। जिस प्रकार तिल के हर एक दाने के अंदर पहले से ही तेल छिपा रहता है, उसे अलग से बाहर से नहीं लाया जाता। जिस प्रकार चकमक पत्थर के भीतर अग्नि समाई होती है, पर वह रगड़ने पर ही प्रकट होती है। ठीक उसी प्रकार, परमात्मा, ईश्वर या 'साईं' हर इंसान के अंदर ही मौजूद हैं। मनुष्य अज्ञान और मोह-माया की नींद में सो रहा है। कबीर जी कहते हैं कि यदि तू अपनी सोई हुई चेतना को जगा सके तो तुझे अपने भीतर ही ईश्वर के दर्शन हो जाएंगे। बाहर मंदिरों, तीर्थों या भटकने की जरूरत नहीं है।	
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	**1X4=4**
39	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला पोसा । किए हुए हैं वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा । उससे होना उऋण प्रथम है , सत्कर्तव्य तुम्हारा । फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा । अथवा जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है । वही जगाता है, सद्गुण को , सद्गुण लाता सुख है । बाधा , विघ्न , विपत्ति, कठिनता जहाँ जहाँ सुन पाना ।	

	सबके बीच निडर हो जाना, दुख को गले लगाना ।	
XI. 40	**पद्यांश का भावार्थ ।** भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न हैं, प्यास लगी तो तालाब - कुएं हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म - सखा तू ही है। अथवा मुरझाए फूल में सुगंधि कौन ढूँढेगा ? बच्चे में कौन खोट देखेगा ? हे देव ! विश्वास को ठेस लगने पर फिर से सद्‌गुण कौन परखेगा ? हे प्रभु, जले पर कौन नमक छिड़केगा ? सुनो, हे चन्नमल्लिकार्जुन, नदी पार करने के बाद मल्लाह को कौन पूछेगा ? **उत्तर :** कविता का नाम : अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री का नाम : अक्कमहादेवी अनुवादिका का नाम : डॉ॰ नंदिनी गुंडुराव भावार्थ : अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती है कि भगवान के सामने कोई गरीब नहीं है।यदि भूख लगी तो गांव में अन्न देने वाले हैं, प्यास लगी तो कहीं भी पानी की कोई कमी नहीं है, क्योंकि इधर उधर तालाब कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठंड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु, तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है, आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म सखा है । विशेषता: इस वचन से यह मालूम होता है कि जिसका कोई नहीं होता, उसका भगवान ही अपना होता है । अथवा भावार्थ : मनुष्य मुरझाए फूलों में कभी भी सुगंध ढूँढने का प्रयास नहीं करेगा । बच्चे में सच्चाई है या बुराई है , देखने का प्रयास कोई नहीं करेगा । विश्वास को धक्का लगने के बाद फिर से सद्‌गुण दिखाई देने पर कोई विश्वास नहीं करेगा । जो कोई पहले से दुखी हैं , और भी उसे दुखी करने का प्रयास कौन करेगा ? ये मेरे भगवान, सुनो, जब संसार रूपी नदी पार करने पर स्मलहार रूपी भगवान को कौन याद करेगा अर्थात् , सभी पद प्रदर्शक को भूल जाएंगे । यही आज की स्थिति है । विशेषता : मानव जीवन की वास्तविकता का चित्रण ।	**1X4=4**

XII.	**आठ - दस वाक्यों में उत्तर ।**	**2X4=8**
41	कर्नाटक एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटराजी ने क्या क्या किया ? स्पष्ट कीजिए । उत्तर : कर्नाटक के एकीकरण के लिए अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटराव जी ने लेखनी हाथ में ली। कर्नाटक पत्र, कर्नाटक व्रत, कन्नड़ केसरी आदि पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित कराने लगे। वेंकटरावजी को ऐसा लगा कि केवल ग्रंथाध्ययन से काम नहीं चलेगा। इसके लिए शिलालेख, ताम्रपट् और वीरगल्लू, मस्तिकल्लु , प्राचीन सिक्के , प्राचीन इमारतें आदि का अध्ययन जरूरी समझे । कर्नाटक के गत वैभव का शोध करते करते वेंकटराव जी ने कर्नाटक के कोने कोने में भ्रमण किया। हजारों रुपये खर्च किए गए पर बदले में उनको दस गुना आत्मविश्वास मिला, जिससे वे संतुष्ट थे। वेंकटराव जी के अनुसार जनता में भारतीय राष्ट्रीयता उत्पन्न करने के लिए प्रादेशिक राष्ट्रीयता जरूरी है। विद्यारण्य ही कर्नाटकत्व के मूल प्रेरक शक्ति है। उनके उद्देश्य अनुसार, कर्नाटक के गत वैभव के स्मरण छात्र में चेतना जाग उठी। उन्होंने कर्नाटक गत वैभव नामक पुस्तक प्रकाशित की जो कर्नाटकियों के हृदय में चिरस्थायी बनकर रहने वाली रचना है। कन्नड़ की सेवा के लिए वेंकटरावजी ने छात्रों को युवकों को प्रोत्साहित किया। अथवा कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की प्रगति में वेंकट रावजी के योगदान के बारे में लिखिए । कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की प्रगति और कन्नड़ भाषा के पुनरुद्धार में आलूर वेंकटरावजी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहा है। धारवाड़ में सन 1890 में स्थापित इस संघ को वेंकटरावजी के जुड़ने के बाद एक नई गति, दिशा और वैचारिक ऊर्जा मिली । उन्होंने संघ के बैनर तले बड़े पैमाने पर कन्नड़ साहित्यिक उत्सवों और सम्मेलनों का आयोजन किया, जिससे पूरे क्षेत्र के विद्वान और लेखक एक मंच पर आए। उन्होंने कन्नड़ भाषी लोगों में अपनी संस्कृति और भाषा के प्रति स्वाभिमान जगाया। उनकी प्रेरणा से संघ ने कन्नड़ अस्मिता को एक स्पष्ट राजनीतिक और सांस्कृतिक संकल्प दिया। कर्नाटक विद्यावर्धक संघ के माध्यम से मिले अनुभव और प्रेरणा से ही आगे चलकर वर्ष 1915 में बेंगलुरु में 'कन्नड़ साहित्य परिषद' की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।	
42	सेठ गोविन्ददास की राय में सच्चा धर्म क्या है ? स्पष्ट कीजिए । अथवा पुरुषोत्तम को विनायक के साथ क्यों भोजन करना पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** सेठ गोविन्ददास जी ने धर्म की समस्या को उठाया है। सामान्य रूप से हम लोग धर्म का जो अर्थ समझते हैं वह सेठ जी की दृष्टि में सही नहीं है। पुरुषोत्तम ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिससे समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों का भला हो । धर्म किसी निश्चित नियमों पर बंधकर	

	नहीं रह सकता। समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है। कभी-कभी असत्य से भी धर्म की रक्षा होती है । लेखक की दृष्टि से सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो, पुरुषोत्तम के अनुसार सच्चा धर्म कोई बाहरी आडंबर या दिखावा नहीं है बल्कि वह मानवता, करुणा, सेवा और सत्य पर आधारित आचरण है। उनके विचार में, धर्म का मूल्य उसके रीति रिवाजों में नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र और व्यवहार में निहित है। पुरुषोत्तम के अनुसार सच्चे धर्म का मूल उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना है। इसीलिए प्रेम , दया और सहानुभूति ही सच्चे धर्म के केंद्र में है। कर्तव्य पालन ही धर्म , उनका मानना है कि व्यक्ति अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करे। यही सच्ची धार्मिकता है। सच्चा धर्म वह है जो व्यक्ति को सत्य, बोलने, न्याय करने और नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। अथवा सेठ गोविन्ददास के एकांकी 'सच्चा धर्म' में पुरुषोत्तम और उनकी पत्नी अहिल्या दोनों ही कर्तव्यनिष्ठ व देशभक्त पात्र हैं, परंतु पुरुषोत्तम व्यक्तिगत धार्मिक रीति रिवाज के आंतरिक द्वंद्व में उलझे रहते हैं, जबकि अहिल्या अधिक व्यावहारिक और राष्ट्र-धर्म को सर्वोपरि मानने वाली हैं।पुरुषोत्तम का चरित्र धार्मिक दुविधा, आंतरिक संघर्ष और कर्तव्य का पालन में उलझा हुआ है । पुरुषोत्तम सत्य और व्यक्तिगत ब्राह्मण धर्म के नियमों का सख्ती से पालन करने वाले हैं, जिसके कारण वे सत्य-असत्य और धर्म के संकट में जल्दी उलझ जाते हैं। वे इस कशमकश में रहते हैं कि व्यक्तिगत रीति रिवाज बचाएं या शरण में आए संभाजी की रक्षा करें। अंततः वे समझ जाते हैं कि शरणागत की रक्षा और राष्ट्र-धर्म ही सबसे बड़ा धर्म है।अहिल्या के चरित्र में व्यावहारिक दृष्टिकोण, राष्ट्र-धर्म को प्राथमिकता और प्रेरक भूमिका का समावेश है । अहिल्या अपने पति की तुलना में अधिक स्पष्ट सोच वाली और दृढ़ निश्चयी हैं। वह मानती हैं कि देश और राष्ट्रहित के आगे व्यक्तिगत रूढ़ियाँ या छोटे नियम मायने नहीं रखते। संकट के समय वह पति को सही राह दिखाती हैं और राष्ट्र की मर्यादा बचाने के लिए हर संभव सहयोग करती हैं। ब्राह्मणत्व और परिवार को सर्वोपरि रखती है ।	
XIII. **43**	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।** मोती की सीप के समान बनो। एक बड़ी सुंदर भारतीय कथा है कि यदि स्वाति नक्षत्र में वर्षा का एक बूँद उस सीप में पड़ जाता है तो वह मोती बन जाता है। अतः वह स्वाति नक्षत्र के चमकते ही जल की सतह पर आ जाती है और उस मूल्यवान वर्षा की बूँद पाने	**2X2=4**

	के लिए प्रतीक्षा करती रहती है। जैसे ही कोई बूँद उसके मुँह में प्रवेश करती है, तो सीप तुरंत अपना मुँह बंद कर लेती है और डुबकी लगाकर समुद्र के तल पर पहुंच जाती है। वहां पर धैर्यपूर्वक बूंद को मोती का रूप देती है। **प्रश्न:** a). एक बड़ी सुन्दर भारतीय कथा क्या है? b) मोती कैसे बनती है ? **उत्तर :** a) एक बड़ी सुन्दर भारतीय कथा है कि यदि स्वाति नक्षत्र में वर्षा का एक बूँद उस सीप में पड़ जाता है तो वह मोती बन जाता है। b) स्वाति नक्षत्र में सीप जल की सतह पर आ जाती है और उस मूल्यवान वर्षा की बूंद पानी के लिए प्रतीक्षा करती रहती है। जैसे ही कोई बूँद उसके मुँह में प्रवेश करती है तो सीप तुरंत अपना मुंह बंद कर लेती है और डुबकी लगाकर समुद्र के तल पर पहुँच जाती है। वहां यह बूँद मोती का रूप धारण कर लेती है।	
XIV.	**पत्र लेखन ।**	**1X5=5**
44	अपने जन्म दिन के अवसर पर दो दिनों की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए। अथवा पढ़ाई की जानकारी देते हुए अपनी माताजी के नाम एक पारिवारिक पत्र लिखिए। **उत्तर:** व्यावहारिक पत्र: i) स्थान एवं तिथि : 1/2 ii) प्रेषक / सेवा में : 1/2 iii) संबोधन – विषय : 1 iv) पत्र का कलेवर : 2 1/2 v) समाप्ति : 1/2 अथवा पारिवारिक पत्र : i) स्थान एवं तिथि : 1/2 ii) संबोधन - अभिवादन : 1 iii) पत्र का कलेवर : 2 1/2 iv) समाप्ति : 1/2 v) पत्र पाने वाले का पता : ½	

XV 45	**निबंध लेखन ।** a) हमारे राष्ट्रीय पर्व b) सूचना का सशक्त माध्यम – दूरदर्शन **उत्तर :** i) भूमिका 1 ii) विषय विश्लेषण 2 iii) उपसंहार 1 iv) भाषा और शैली 1	**1X5=5**